www.evidyarthi.in

फिर से याद करें

प्रश्न 1. निम्नलिखित में मेल बैठाएँ :

सूबेदार	एक राजस्व कृषक
फ़ौजदार	उच्च अभिजात
इजारादार	प्रांतीय सूबेदार
मिस्ल	मराठा कृषक योद्धा
चौथ	एक मुगल सैन्य कमांडर
कुनबी	सिख योद्धाओं का समूह
उमरा	मराठों द्वारा लगाया गया कर

कक्षा VII पाठ 10 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

www.evidyarthi.in

उत्तर-

सूबेदार	प्रांतीय
फ़ौजदार	एक मुगल सैन्य कमांडर
इजारादार	एक राजस्व कृषक
मिस्ल	सिख योद्धाओं का समूह
चौथ	मराठों द्वारा लगाया गया कर
कुनबी	मराठा कृषक योद्धा
उमरा	उच्च अभिजात

www.evidyarthi.in

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति करें :

(क) औरंगजेब ने ..... में एक लंबी लड़ाई लड़ी।

(ख) उमरा और जागीरदार मुगल ..... के शक्तिशाली अंग थे।

(ग) आसफ़ जाह ने हैदराबाद राज्य की स्थापना ..... में की।

(घ) अवध राज्य का संस्थापक ..... था।

कक्षा VII पाठ 10 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

www.evidyarthi.in

उत्तर-

(क) दक्कन
(ख) साम्राज्य
(ग) 18वीं शताब्दी
(घ) सआदत खाँ

www.evidyarthi.in

प्रश्न 3. बताएँ सही या गलत :

(क) नादिरशाह ने बंगाल पर आक्रमण किया।

(ख) सवाई राजा जयसिंह इन्दौर का शासक था।

कक्षा VII पाठ 10 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

www.evidyarthi.in

(ग) गुरु गोविंद सिंह सिक्खों के दसवें गुरु थे।

(घ) पुणे अठारहवीं शताब्दी में मराठों की राजधानी बना।

www.evidyarthi.in

उत्तर-

(क) गलत
(ख) गलत
(ग) सही
(घ) सही

www.evidyarthi.in

प्रश्न 4. सआदत ख़ान के पास कौन-कौन से पद थे ?

उत्तर- सआदत खान ने सूबेदारी, दीवानी और फौजदारी के संयुक्त कार्यालयों का आयोजन किया वास्तव में, वह अवध प्रांत के राजनीतिक, वित्तीय और सैन्य मामलों के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार था।

www.evidyarthi.in

उत्तर- सआदत ख़ान के पास निम्नलिखित पद थे

1) सूबेदारी
2) फ़ौजदारी
3) दीवानी

www.evidyarthi.in

आइए विचार करें

प्रश्न 5. अवध और बंगाल के नवाबों ने जागीरदारी प्रथा को हटाने की कोशिश क्यों की?

उत्तर- अवध और बंगाल के नवाबों ने अपने राज्यों में मुगलों के प्रभाव को कम करने के लिए जागीरदारी व्यवस्था को खत्म करने की कोशिश की।

www.evidyarthi.in

उत्तर- अवध और बंगाल के नवाबों ने जागीरदारी प्रथा को निम्न कारणों से हटाने की कोशिश की

1) दोनों नवाब मुगल शासन के प्रभाव को कम करना चाहते थे।
2) राजस्व के पुर्ननिर्धारण के लिए।
3) अपने विश्वस्त लोगों की नियुक्ति के लिए।
4) जमींदारों द्वारा की जाने वाली धोखाधड़ी को रोकने के लिए।

www.evidyarthi.in

प्रश्न 6. अठारहवीं शताब्दी में सिक्खों को किस प्रकार संगठित किया गया?

उत्तर- 17वीं शताब्दी के दौरान सिख एक राजनीतिक समुदाय में संगठित हो गए। इससे पंजाब में क्षेत्रीय राज्य-निर्माण हुआ। 1699 में खालसा की स्थापना से पहले और बाद में, गुरु गोबिंद सिंह ने राजपूतों के साथ-साथ मुगल शासकों के खिलाफ कई लड़ाई लड़ी।

कक्षा VII पाठ 10 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

राजपूतों और मुगल शासकों के खिलाफ लड़े

www.evidyarthi.in

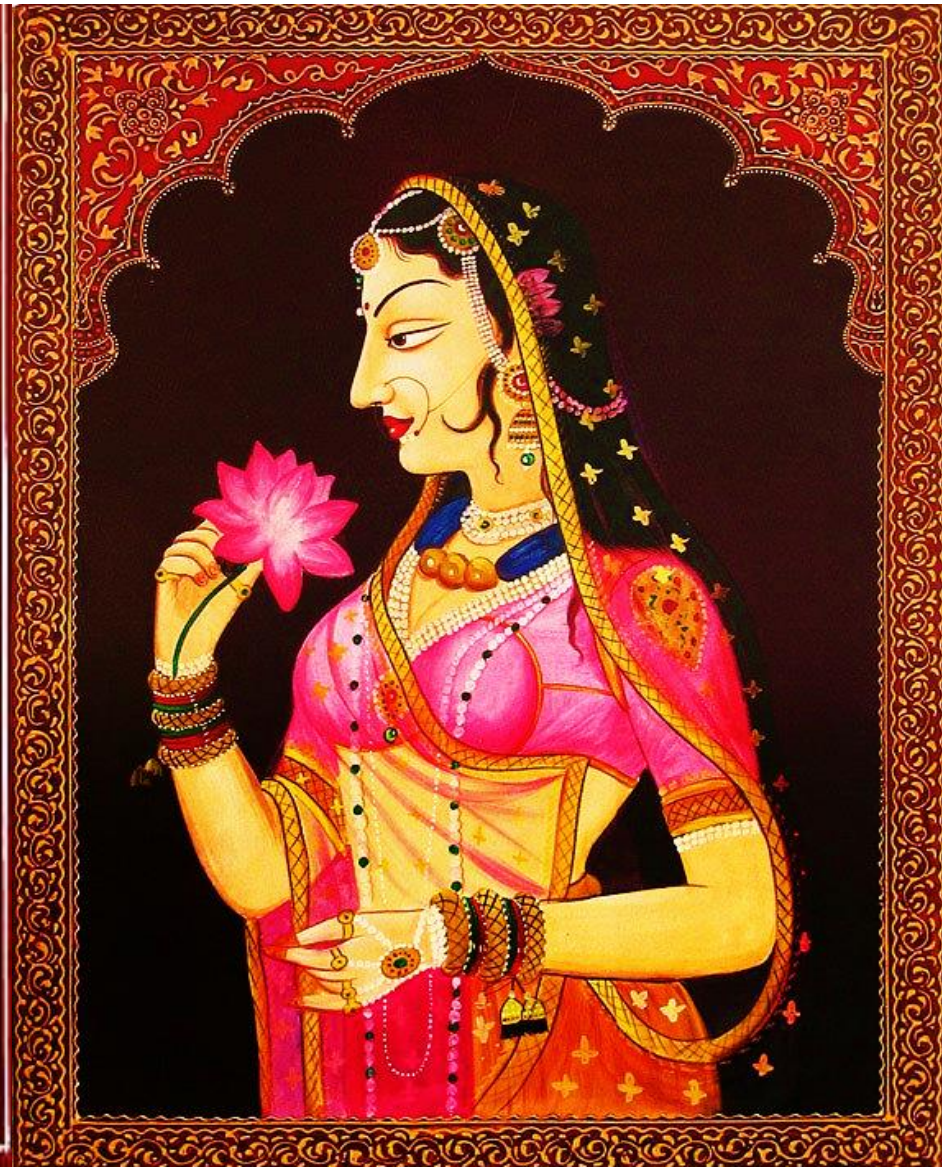

कक्षा VII पाठ 10 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

www.evidyarthi.in

1708 में गुरु गोबिंद सिंह की मृत्यु के बाद, खालसा ने बंदा सिंह बहादुर के नेतृत्व में मुगल सत्ता के खिलाफ विद्रोह किया और अपने संप्रभु शासन की घोषणा की। 1715 में बंदा बहादुर को पकड़ लिया गया और 1716 में मार डाला गया। 18 वीं शताब्दी में, सिखों ने खुद को कई बैंडों में संगठित किया जिन्हें जत्था और बाद में मिस्ल कहा जाता था।

मिस्ल्स

सिखों के बारह संप्रभु राज्य

जत्था

सिखों का एक सशस्त्र निकाय।

कक्षा VII पाठ 10 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

www.evidyarthi.in

उनके सुगठित संगठन ने उन्हें पहले मुगल शासकों और फिर अहमद शाह अब्दाली के खिलाफ सफल प्रतिरोध करने में सक्षम बनाया। जिसने पंजाब के समृद्ध प्रांत और सरहिंद की सरकार को मुगलों से छीन लिया था।

www.evidyarthi.in

प्रश्न 7. मराठा शासक दक्कन के पार विस्तार क्यों करना चाहते थे?

उत्तर- मुगल प्रभाव को कम करने के लिए मराठा दक्कन से आगे विस्तार करना चाहते थे। 1720 के दशक तक, उन्होंने मुगलों से मालवा और गुजरात पर कब्जा कर लिया और 1730 के दशक तक, मराठा राजा को पूरे दक्कन प्रायद्वीप के अधिपति के रूप में मान्यता दी गई थी।

कक्षा VII पाठ 10 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

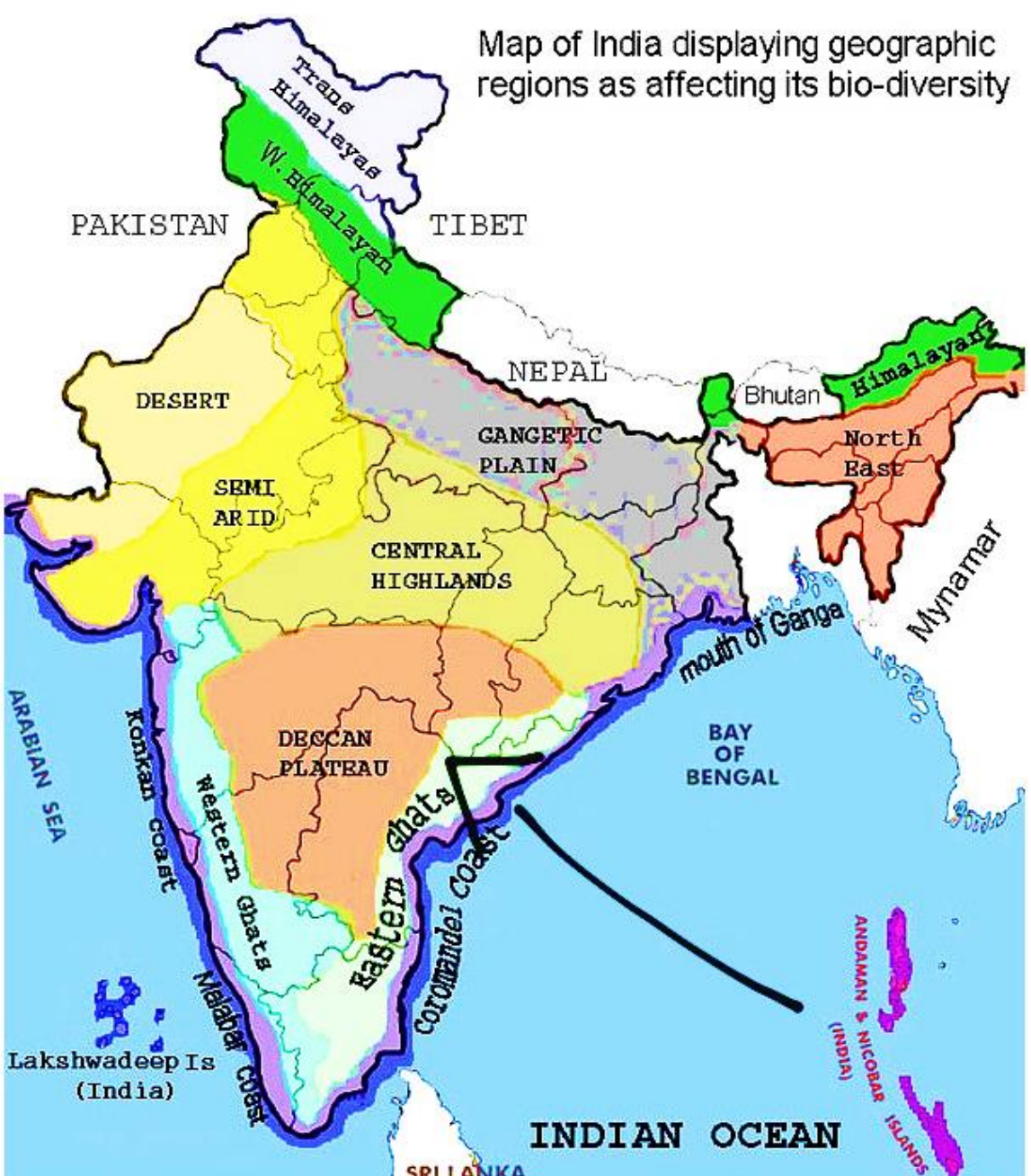

www.evidyarthi.in

www.evidyarthi.in

उत्तर- मराठा शासक निम्न कारणों से दक्कन के पार अपने साम्राज्य का विस्तार करना चाहते थे

1) मराठा सरदारों को शक्तिशाली सेनाएँ खड़ी करने के लिए संसाधन मिल सके।
2) एक बड़े क्षेत्र पर शासन स्थापित करने के लिए।
3) उत्तरी मैदानी भागों के उपजाऊ क्षेत्रों पर नियंत्रण स्थापित करने के लिए।
4) अधिक-से-अधिक क्षेत्रों से चौथ तथा सरदेशमुखी वसूल करने के लिए।

www.evidyarthi.in

प्रश्न 8. आसफजाह ने अपनी स्थिति को मजबूत बनाने के लिए क्या-क्या नीतियाँ अपनाईं?

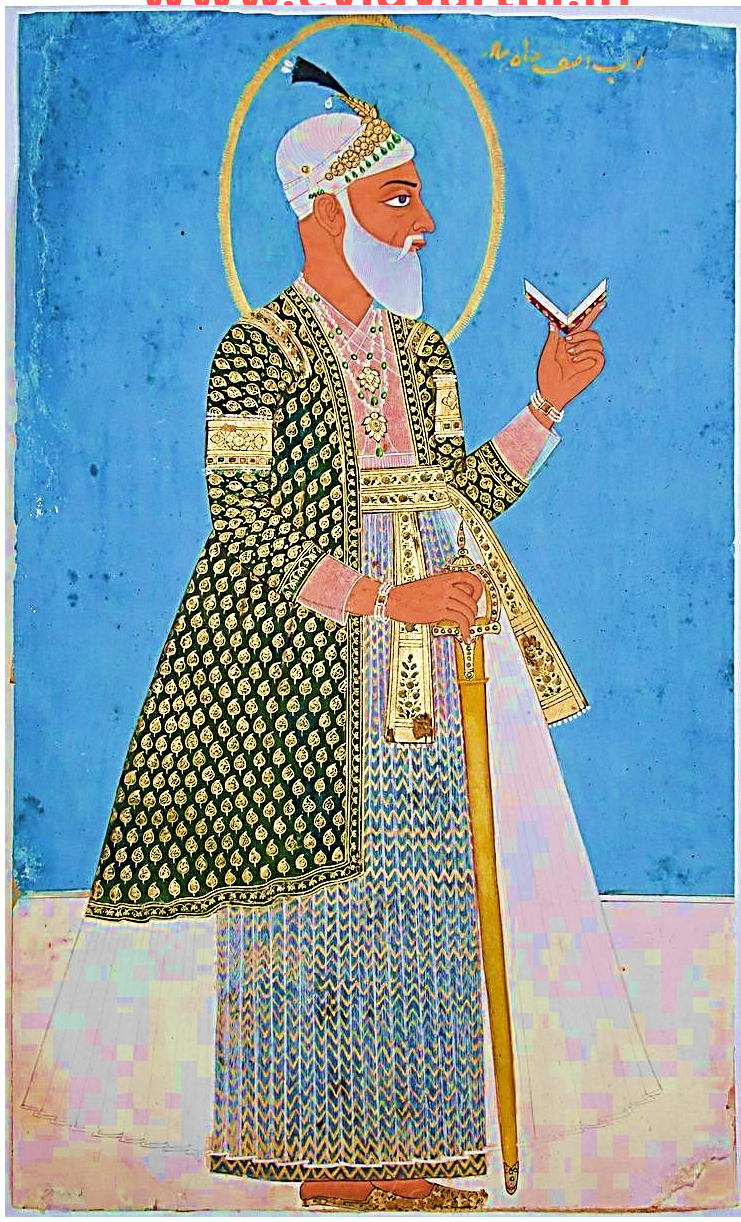

उत्तर- दक्कन के वास्तविक शासक होने के बाद, निजाम-उल-मुल्क आसफ जाह ने अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए कुछ नीतियों को अपनाना शुरू किया:

- वह उत्तर भारत से कुशल सैनिकों और प्रशासकों को लाया जिन्होंने दक्षिण में नए अवसरों का स्वागत किया।

www.evidyarthi.in

- उसने मनसबदार नियुक्त किए और जागीरें दीं।

- उन्होंने मुगल हस्तक्षेप के बिना स्वतंत्र रूप से शासन किया। मुगल बादशाह ने केवल आसफ जाह द्वारा लिए गए निर्णयों की पुष्टि की।

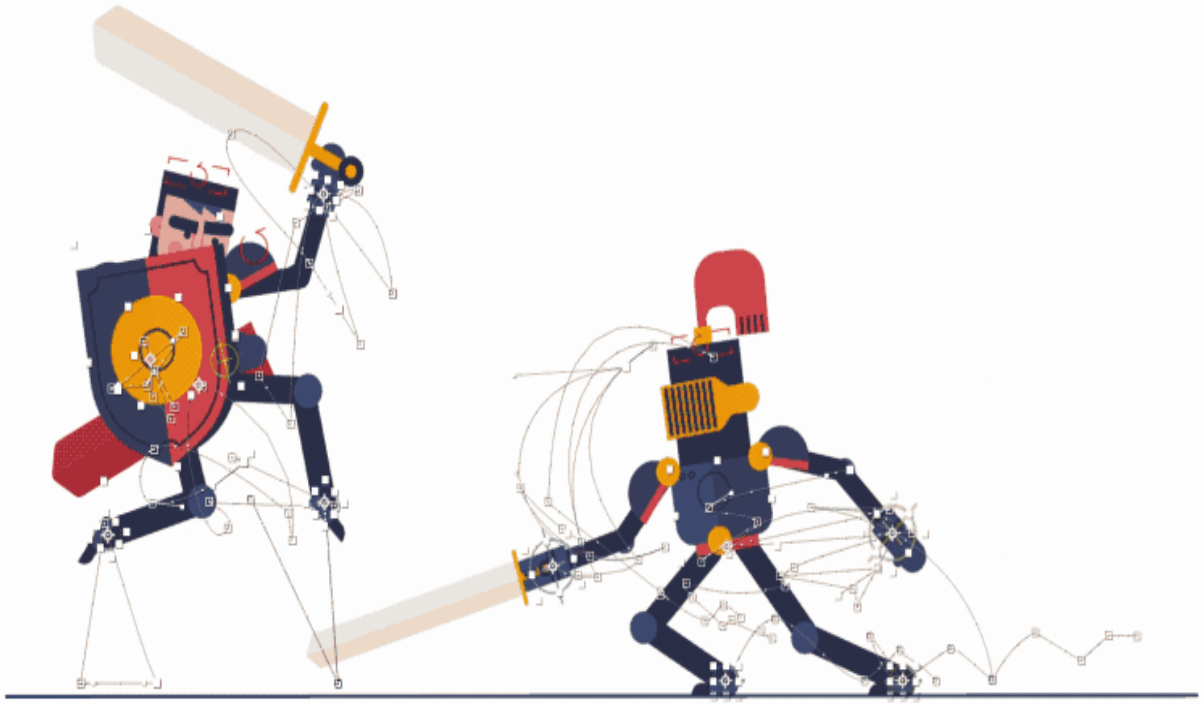

www.evidyarthi.in

उत्तर- असाफ़जाह द्वारा अपनी स्थिति को मजबूत बनाने के लिए अपनाई गई नीतियाँ

1) असाफ़जाह अपने लिए कुशल सैनिकों तथा प्रशासकों को उत्तरी भारत से लाया था।
2) उसने मनसबदार नियुक्त किए और इन्हें जागीरें प्रदान की।
3) हैदराबाद राज्य पश्चिम की ओर मराठों के विरुद्ध और पठारी क्षेत्र के स्वतंत्र तेलुगु सेनानायकों के साथ युद्ध करने के लिए भी कूटनीति का सहारा लिया।

www.evidyarthi.in

प्रश्न 9. क्या आपके विचार से आज महाजन और बैंकर उसी तरह का प्रभाव रखते हैं, जैसाकिं वे अठारहवीं शताब्दी में रखा करते थे?

उत्तर- 18वीं शताब्दी के दौरान व्यापारी बैंकरों की तुलना में अधिक प्रभावशाली थे। वे उच्च ब्याज दरों पर अधिक ऋण अवसर प्रदान करते थे।

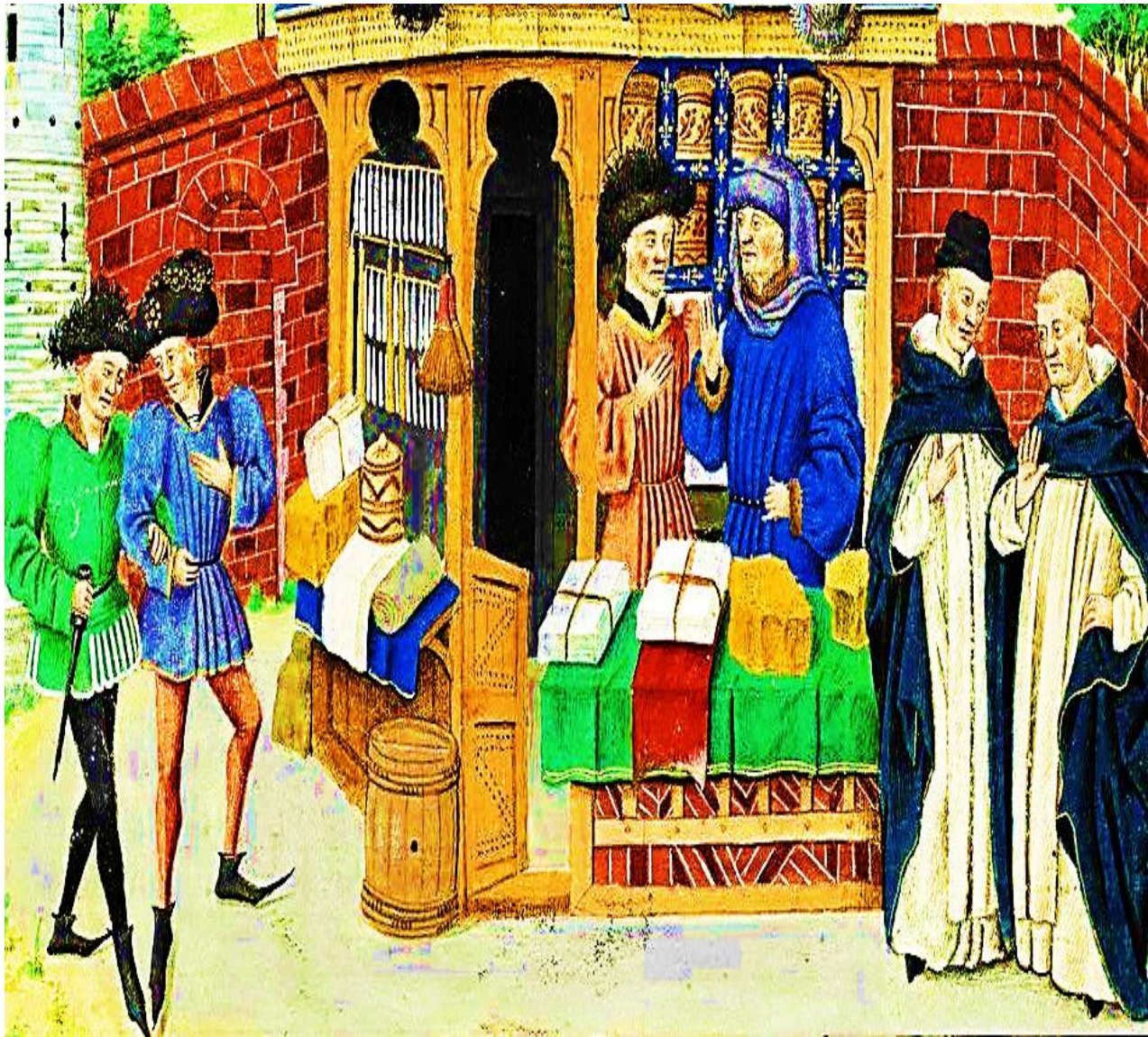

कक्षा VII पाठ 10 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

www.evidyarthi.in

लेकिन अब, शिक्षा के प्रसार के साथ लोग बैंकों को पसंद करते हैं जो सस्ती दरों पर ऋण और अन्य वित्तीय सहायता प्रदान करते हैं। बैंकर ब्याज दर पर सब्सिडी भी देते हैं। उनके पास अलग-अलग उद्देश्यों के लिए ऋण के अलग-अलग दायरे हैं। इसलिए वे आज व्यापारियों की तुलना में अधिक प्रभावशाली हैं।

www.evidyarthi.in

उत्तर- हमारे विचार में आज महाजन और बैंकर उस तरह का प्रभाव नहीं रखते, क्योंकि 18वीं सदी में महाजन और बैंकर निम्न तरीके से राज्य को प्रभावित करते थे

- राज्य ऋण प्राप्त करने के लिए स्थानीय सेठ, साहूकारों और महाजनों पर निर्भर रहता था।
- साहूकार महाजन लोग लगान वसूल करने वाले इजारेदारों को पैसा उधार देते थे, बदले में बंधक के रूप में जमीन रख लेते थे।
- साहूकार महाजन जैसे कई नए सामाजिक समूह राज्य की राजस्व प्रणाली के प्रबंध को भी प्रभावित करने लगे थे।